मेवात के नूंह में थाना फूंकने की धमकियां, पुलिस मूकदर्शक

आरोपियों के समर्थन में लॉकडाउन के दौरान धारा 144 तोड़कर महापंचायत

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

नूंह (मेवात): लॉकडाउन के दौरान मेवात के गांव इंडरी में सारे नियम कानून तोड़कर भड़काऊ महापंचायत हुई। लेकिन हरियाणा सरकार या लोकल पुलिस ने अभी तक न तो केस दर्ज किया और न ही किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई की। पुलिस मास्क न पहनने वालों का तो चालान काट रही है लेकिन इंडरी की महापंचायत में तो सैकड़ों लोग बिना मास्क के घूम रहे थे। इस महापंचायत की जो फोटो और वीडियो सामने आए हैं, वे भयावह हैं। पिछले रविवार को यह कथित महापंचायत इंडरी गांव के संगम स्कूल में अरुण जैलदार नामक शख्स की अध्यक्षता में हुई थी। इस महापंचायत में खेड़ा खलीलपुर के आसिफ हत्याकांड में पकड़े गए हिन्दू युवकों को रिहा करने की मांग उठाई गई। पुलिस ने आसिफ और उसके भाइयों की लिंचिंग के आरोप में मेवात के करीब दस युवकों को गिरफ्तार किया था। इन सभी के खिलाफ आसिफ के भाई ने नामजद रिपोर्ट लिखाई थी। घटना में आसिफ मारा गया था, जबकि उसके भाई घायल हो गए थे।

थाना फूंकने की धमकी

इस महापंचायत में अरुण जैलदार के अलावा करणीसेना का सूरजपाल अम्मू और बिट्टू बजरंगी मौजूद था। ये सभी लोग आरएसएस से भी जुड़े हुए हैं। इस भड़काऊ महापंचायत में गिरफ्तार हिन्दू युवकों को न छोड़े जाने पर थाना फूंकने तक की धमकी मंच से दी गई। हर नेता ने भड़काऊ भाषण दिए। महापंचायत स्थल पर पुलिस मौजूद थी लेकिन उसने न तो किसी को रोकने की कोशिश की और न ही बाद में कार्रवाई की। लॉकडाउन की वजह से पूरे हरियाणा में धारा 144 लगी हुई है और चार से ज्यादा लोगों के एक जगह जमा होने पर मनाही है। लेकिन इंडरी महापंचायत में सारे नियम टूट गए। महापंचायत में यूपी से भी लोगों को बुलाया गया था।

इस भड़काऊ महापंचायत के विरोध में रोजकामेव थाने में पार्षद ताहिर, अंजुम, हसन प्रधान, दिलशाद और मुश्ताक हाशमी आदि ने लिखित शिकायत की लेकिन पुलिस ने इस प्रार्थनापत्र पर भी कोई कार्रवाई नहीं की। आमतौर पर पुलिस को ऐसे आयोजनों को लेकर यह शिकायत रहती है कि ऐसे आयोजकों के खिलाफ कोई लिखित शिकायत नहीं देता लेकिन मेवात में तो लोगों ने लिखित शिकायत भी दे दी लेकिन पुलिस अपनी जगह से हिली तक नहीं।

इस महापंचायत में ज्यादातर लोगो ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की और कहा कि अगर हरियाणा के मुख्यमंत्री योगी होते तो हालात कुछ और होते । भाजपा सरकार होते हुए भी महापंचायत करनी पड़ रही है अपने अधिकारों के लिए।

प्रत्यक्षदर्शियों के बयान

चौधरी आमिर खान ने कहा कि महापंचायत में क्षेत्र का माहौल खराब करने व थाने को फूंकने की खुलेआम धमकियां दी गईं। एक हफ्ता हो चुका है। इस महापंचायत के सोशल मीडिया पर तमाम वीडियो वायरल हैं। फिर भी नूंह पुलिस खामोश है।अज्जी नामक युवक ने कहा कि महापंचायत में एक विशेष समुदाय के खिलाफ भड़काऊ शब्दों का प्रयोग करना, गलियां देना मेवात के हिंदू मुस्लिम भाईचारे के लिए खतरा है। दंगाइयों के भड़काऊ भाषणबाजी के खिलाफ पुलिस प्रशासन को संज्ञान लेना चाहिए और इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

ध्यान रहे कि मई महीने में हुए आसिफ हत्याकांड में 9 आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है. मुकदमे में 14 नामजद के अलावा 15-20 लोगों को शामिल किया गया था। आसिफ जिम ट्रेनर था, जिसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इस वारदात में दो युवक चश्मदीद भी हैं. अब यह मामला दो समुदायों के बीच का होने की वजह से तूल पकड़ रहा है।

सीएम के आदेश के बावजूद विभागों में सूचना अधिकारी नहीं

क़रीब दो साल पहले खट्टर ने नियुक्ति के लिए कहा था

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फ़रीदाबाद : बहुत सारे सरकारी विभागों में अभी तक जन सूचना अधिकारी नियुक्त नहीं हो सके। हालाँकि इस संबंध में मुख्यमंत्री खट्टर ने आदेश जारी किए थे लेकिन खट्टर के इस आदेश पर तमाम विभाग कुंडली मार कर बैठ गए हैं। फ़रीदाबाद नगर निगम समेत कई विभाग इसके जीते जागते उदाहरण हैं। नवंबर 2018 में मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी विभागों को आदेश दिए थे कि सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत सभी विभाग अपने यहां राज्य जन सूचना अधिकारी की नियुक्ति करें। यह जन सूचना अधिकारी समूह का राजपत्रित अधिकारी या इससे ऊपर के पद का अधिकारी होना चाहिए।

क्यों ज़रूरी है सूचना अधिकारी

सामाजिक कार्यकर्ता अजय बहल इस मामले को लगातार उठा रहे हैं।राज्य में बढ़ते हुए भ्रष्टाचार एवं लालफीताशाही एवं अधिकारियों की मनमानी पर अंकुश लगाने का वा आम जनता के सवालों का उत्तर देने का एकमात्र जरिया सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 है। कोई भी नागरिक चाहे वह किसी भी धर्म जाति या उम्र का हो केवल 10 मात्र में किसी भी सरकारी विभाग से अपने या उस विभाग के कार्य से संबंधित सूचना मात्र 10 के शुल्क की अदायगी उपरांत ले सकता है।बहुत समय से देखा जा रहा है कि विभाग व अधिकारी सही व संपूर्ण जानकारी नहीं देते तथा सूचना मांगने वाले को सरकार के लिए या तो विलंब कर देते हैं या गलत जानकारी उपलब्ध करा दी जाती है ।

समय पर आरटीआई की सूचना न देने पर इस वजह से कई बार सरकार को हास्यास्पद परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। अनेकों बार न्यायालय में भी समय एवं संसाधन व्यर्थ होते हैं।

इस संबंध में मुख्यमंत्री ने सभी विभागों एवं विभाग प्रमुखों को आदेश दिए थे कि अपने अपने कार्यालय में संबंधित राज्य जन सूचना अधिकारी की नियुक्ति की जाए। यह नियुक्ति किसी जिम्मेवार तथा कम से कम समूह का राजपत्रित अधिकारी की जानी चाहिए।जो विभाग समय पर ऐसे अधिकारियों की नियुक्ति नहीं करते उनके द्वारा आम नागरिक को उपलब्ध कराई जाने वाली सूचना के ड्राफ्ट मसौदे को विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव द्वारा अनुमोदित किया जाएगा। लगभग 2 साल हो जाने के बाद भी बहुत से विभागों में इस नियम की अनुपालन नहीं की जा रही तथा अधिकतर विभागों में निचले स्तर के क्लर्क या आउटसोर्सिंग के कर्मचारियों को राज्य जन सूचना अधिकारी के तौर पर नियुक्त कर दिया जाता है जिनकी बाद में इस मामले में कोई भी जवाबदेही नहीं बन पाती।

इस बारे में तमाम जानकारी सामाजिक कार्यकर्ता अजय बहल को मुख्य सचिव कार्यालय हरियाणा द्वारा उनकी आरटीआई आवेदन 22 नवंबर 2020 की जानकारी में दी गई है। यह जानकारी राज्य सूचना आयोग हरियाणा के अप्रैल 2020 के निर्णय के बाद ही उपलब्ध कराई गई है।

करनाल का मोर्चा

करनाल के डॉक्टर, रामदेव के खिलाफ सिर्फ प्रदर्शन और ज्ञापन तक सीमित रहे

करनाल, (ममो): देश के अनेक शहरों में जहां बिजनेसमैन रामदेव के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो रही है, वहां करनाल के डॉक्टर सिर्फ प्रदर्शन और ज्ञापन तक ही सीमित रहे। हालांकि उन्होंने अपने भाषणों में रामदेव के खिलाफ जमकर बयानबाजी की लेकिन पुलिस से एफआईआर दर्ज करने की मांग नहीं कर सके। रामदेव हरियाणा का ब्रान्ड एम्बैसर है और स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने रामदेव की कंपनी पतंजलि से एक लाख कोरोनील दवा खरीदने का बयान दिया था।

करनाल के डॉक्टरों ने कहा कि रामदेव ने पिछले दिनों एलोपैथिक के खिलाफ बयान दिया था। आईएमए के जिलाध्यक्ष डॉ कमल जैन ने आरोप लगाया कि रामदेव एलोपैथिक को लेकर लगातार अनाप-शनाप बयान दे रहे हैं। ज़िला महासचिव डॉक्टर कुमार विभव ने बताया की तमाम डॉक्टरों ने जिला सचिवालय पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर मांग की गई कि रामदेव के खिलाफ कार्रवाई की जाए क्योंकि वह एलोपैथिक को लेकर लगातार बयानबाजी कर रहे हैं।

इस अवसर पर डॉक्टर सचिन पुरथी, डॉ महेश मेहरा, डॉ लक्षिका चौहान, डा वी के सिंगला, डा अरविन्द भाई, डा गगन कौशल, डॉ संजय खन्ना, डॉ ललित कुमार, डॉ गीता रानी, डॉ रजत मिमानी, डॉ ध्रुव गुप्ता , डॉ अरुण गोयल, डॉ अतुलय अत्रेजा, डॉ पुष्पिंदर बजाज, डॉ रोहित गोयल एवं डॉ कमल मौजूद थे।

औस्का ने बच्चों को जागरूक किया

करनाल, (ममो): औस्का आर्गेनाईजेशन फॉर सोशल एंड कल्चरल अवेयरनेस ने वीरवार को करनाल की बाल कल्याण समिति में कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में बच्चों को तरह-तरह के कानूनों और उनके अधिकारों के बारे में बताकर जागरूक किया गया। जिसमें बाल कल्याण समिति के चेयरमैन उमेश चानना व कमेटी के अन्य सभी सदस्यों को सम्मानित किया गया। औस्का के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजपाल सिंह ने बताया कि हमारी संस्था ने यह कार्यक्रम इसलिए किया है क्योंकि बाल कल्याण समिति दिन रात बच्चों की सेवा में लगा रहता है। इस कार्यक्रम में उमेश चानना ने बताया कि बाल कल्याण समिति पूरी तरह से बच्चों की सेवा के लिए तत्पर रहती है अगर किसी को भी शहर में कोई लावारिस बच्चा मिलता है तो आप 1098 पर कॉल करें। हमारी चाइल्ड लाइन की टीम तुरंत ही उस बच्चे की मदद के लिए पहुँच जाएगी।

5जी से कोरोना का कोई संबंध नहीं

करनाल, (ममो): मोबाइल सेवा 5जी की टेस्टिंग से कोरोना संक्रमण फैलने का कोई संबंध नहीं। यह कोरी अफवाह और अनर्गल बात है। 5जी का परीक्षण तो अभी शुरू ही नहीं हो पाया है। इसलिए, इस मोबाइल सेवा को लेकर अफवाह फैलाना न सिर्फ नैतिक रूप से गलत है, बल्कि यह एक आपराधिक कृत्य भी है। यह बात हरियाणा ग्रंथ अकादमी के उपाध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने रेडियो ग्रामोदय के वेकअप करनाल कार्यक्रम में ग्रामीणों से चर्चा के दौरान कही।

जनता अब भाजपा का सूपड़ा साफ करने को तैयार: काम्बोज

इन्द्री(जेके शर्मा) इनेलो के जिला महासचिव प्रदीप काम्बोज ने कहा कि भाजपा नेता जनता की भलाई के काम करने की बजाय अपनी जेबें भरने और झूठी वाहवाही करने के काम कर रहे हैं। कोरोना काल में जनता को दी जाने वाली किटों में घोटाला होने के आरोपों पर मुंह बंद करने वाले भाजपाई नौटकी करने में माहिर है। विपक्ष को बेवजह डराने व धमकाने की सोच लेकर चलने वाले भाजपाइयों की असलियत जनता समझ चुकी है। इसीलिए भाजपा व जेजेपी वालों को जनता अपने गांवों में घुसने तक नहीं दे रही है। भ्रष्टाचार बढ़ रहा है और जनता में सरकार के खिलाफ आक्रोश चरम पर है। यदि आज चुनाव करा लिए जाए तो जनता प्रदेश से भाजपा का सूपड़ा साफ कर देगी।

कांग्रेसियों ने थाली बजाते हुए किया प्रदर्शन

करनाल, (जेके शर्मा) करनाल में कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ थाली बजाकर हल्ला बोला। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता चम्मच से थाली बजाते हुए ज़िला सचिवालय में पहुंचे और सरकार के खिलाफ राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। कार्यकर्ताओं ने थाली बजाते हुए करनाल से विधायक और प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल और सांसद संजय भाटिया के खिलाफ नारे लगाए। कांग्रेस का ये प्रदर्शन मरीजों को समय पर ऑक्सीजन, बेड न मिलने को लेकर किया गया। कांग्रेस के नेताओं ने सरकार से सवाल पूछे कि मंत्री, सांसद कहां थे और कहां थी उनकी तैयारी, जिसको लेकर वो बड़े बड़े दावे करते थे। कांग्रेसजनों का कहना है कि बीजेपी और जेजपी सरकार ने जनता के लिए ग्राउंड पर रहकर काम किया होता तो फिर इतने लोगों की मौत ना होती। कांग्रेसजनों का कहना है कि वो किसानों के साथ डटी हुई है और सरकार को जल्द उनकी समस्या का समाधान निकालना चाहिए।

किसान डीएसआर मशीन से करें धान की बिजाई, पानी कम लगेगा: विशेषज्ञ

करनाल, (ममो): उप-कृषि निदेशक डा. आदित्य डबास ने कहा कि धान की बिजाई का समय आ रहा है। धान के सीजन में किसान पारम्परिक विधि से धान की पौध तैयार करके 15 जून से धान की रोपाई अपने-अपने खेतों में करते है। इस विधि में खेत में पानी भरकर रोपाई की जाती है व रोपाई के बाद भी पानी खड़ा रखना पड़ता है। इस समय तापमान अधिक होने के कारण पानी का वाष्पिकरण होने से पानी की खपत बहुत अधिक मात्रा में होती है और इसमें श्रम भी अधिक लगता है। उन्होंने कहा कि किसान भूजल, लेबर व समय की बचत करने के लिए धान की सीधी बिजाई डीएसआर मशीन से कर सकते है। इस विधि से पहले खेत में लेजर लेवलर द्वारा समतल किया जाना जरूरी है और इसके बाद तर-बतर अवस्था में धान की सीधी बिजाई की जा सकती है। उन्होंने इस विधि के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि इस विधि से बिजाई करने में 15 से 20 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है। इस मशीन द्वारा किसान रेतली जमीनों में बिजाई न करें। केवल उन्हीं खेतों में बिजाई करें जिसमें किसान पहले से ही धान की फसल ले रहे है। जहां एक ओर धान की सीधी बिजाई वाली विधि से पैदावार, रोपाई करके लगाई गई धान की फसल के बराबर होती है वहीं दूसरी ओर फसल 7 से 10 दिन पहले पक कर तैयार हो जाती है। जिस कारण धान की पराली सम्भालने व गेहूं अथवा सब्जियों की बिजाई करने के लिए अधिक समय मिल जाता है।

फरिश्ता बन कर आई टीम दीपेंद्र हुड्डा

करनाल, (ममो): कोरोना की दूसरी लहर में आक्सीजन की कमी से दम तोड़ते आम लोगों के बीच टीम दीपेंद्र हुड्डा एक फरिश्ता बन कर आई है। पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भूपेंद्र हुड्डा के आशीर्वाद, सांसद दीपेंद्र हुड्डा के कुशल नेतृत्व में टीम दीपेंद्र हुड्डा गांव गांव जा कर कोरोना से दम तोड़ते कोरोना के मरीजो को नवजीवन प्रदान कर रही है। पूर्व स्पीकर कुलदीप शर्मा की अध्यक्षता तथा जिला संयोजक त्रिलोचन सिंह के संयोजन में हुए कार्यक्रम में टीम दीपेंद्र हुड्डा की राज्य समन्वयक मुस्कान गुप्ता ने करनाल जिले के निसिंग, घरौंडा, इंद्री,असन्ध,बल्ला में स्थित स्वास्थ्य केंद्रों के लिये 10 आक्सीजन कन्सन्ट्रेटर वितरित किये। इस अवसर पर पूर्व मंत्री भीम मेहता, जिले राम शर्मा, पूर्व विधायक नरेंद्र सांगवान, राकेश काम्बोज, अनिल राणा आदि उपस्थित थे ।